भूतो की बरात आ गई

कैसी अध्भुत देखो आज रात आ गई,
संग भोले के भूतो की बरात आ गई,

पी भांग धतूरा बने पुरे जमूरा,
तन भस्म लगाए करे सांग जपुरा,
की बैल सवारी भोले भंडारी,
तीनो लोक के स्वामी बने केश मदारी,
कैसी ये अलग सौगात आ गई,
बम भोले के भूतो की बरात आ गई..

कई मुंडी नाचे कही पायल भाजे,
कई कई में कोई बिन पैर ही नाचे,
भूतो की टोली जय शम्भू बोली.
कैलाश पति है जिनके हम झोली,
ऐसे लगे आफत कोई आज आ गई,
बम भोले के भूतो की बरात आ गई..

बाई हाहाकारी भागे नर नारी,
क्या सांग रचाकर आये जग दारी,
ब्रह्मा मुस्काये विष्णु हर्षाये कोई राज छुपा है आँखों से बताये,
बड़ी ही अनोखी करा माता आ गई,

बम भोले के भूतो की बरात आ गई..

Source:
https://www.bharattemples.com/kaisi-adbhut-dekho-aaj-raat-aa-gai-sang-bhole-ke-bhuto-ki-baarat-aa-gai/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw